ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र, संगरिया

ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया

जिला हनुमानगढ़ के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह बुलेटिन

बुलेटिन नं. : 2022/54

☎01499-252702

मौसम पूर्वानुमान

kvksangariahmh@gmail.com

दिनांक : 08.07.2022 वैधता : 12.07.2022

गत सप्ताह का मौसम (01 जुलाई 2022 से 07 जुलाई 2022)

दिन का अधिकतम तापमान 32.2 से 39.7 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.8 से 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 5.50 घंटे प्रतिदिन धूप खिली रही। सप्ताह के दौरान क्षेत्र में बादलों की आवाजाही के साथ 7 जुलाई को केंद्र की वेधशाला में हल्की बारिश (14 मिमी) दर्ज हुई।

मौसम कारक	08.07.2022	09.07.2022	10.07.2022	11.07.2022	12.07.2022
वर्षा (मिलीलीटर)	1	6	89	59	3
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	39	39	35	37	37
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	29	29	22	26	26
आकाश में बादल की स्थिति	6	7	8	8	5
अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	44	46	81	83	63
न्यूनतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	32	34	31	60	38
हवा की गति किमी/घंटा	7	6	25	4	4
हवा की दिशा	पश्चिम	पूर्व दक्षिण पूर्व	दक्षिण पूर्व	पूर्व दक्षिण पूर्व	दक्षिण पश्चिम
विशेष	9, 10 व 11 जुलाई को कहीं–कही मेघगर्जन तथा आकाशीय बिजली, तेज हवा के साथ बिखरे तौर पर हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां दर्ज हो सकती है। 10, 11 जुलाई को एक– दो जगहों पर भारी वर्षा के आसार है।				

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

मौसम सारांश	पूर्वानुमान के अनुसार, जिला हनुमानगढ़ में आगामी दिनों में 12 जुलाई तक परिवर्तनशील मौसम का अनुमान है। वर्तमान स्थिति के अनुसार आगामी दिनों में अधिकांश रूप से बादल छाए रहने के साथ 9, 10 व 11 जुलाई को कहीं–कही मेघगर्जन तथा आकाशीय बिजली, तेज हवा के साथ बिखरे तौर पर हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां दर्ज हो सकती है। 10, 11 जुलाई को एक– दो जगहों पर भारी वर्षा के आसार है। पांच दिनों मे अधिकतम तापमान 35.0 से 39.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.0 से 29.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता 31–83 प्रतिशत हो सकती है। हवा की औसत गति 4.0 से 25.0 किमी प्रति घंटे हो सकती है।
सामान्य सलाह	भारी वर्षा या पानी भरने की स्थिति में सीवरेज, गटर, नालियों से दूर रहे। बिजली और गैस कनेक्शन बंद रखे। आपातकालीन किट, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, कीमती समान और महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने पास रखे। मवेशियों / जानवरों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा चारे सुनिश्चित करें। खेत से अतिरिक्त पानी बाहर निकाले।

फसल	अवस्था	कृषि सलाह
बी.टी. कपास		वर्तमान मौसम की स्थिति सफेद मक्खी के लिए अनुकूल है। किसान भाई सुबह के समय खेत का निरीक्षण करें और पौधे की पतियों निचली सतह पर सफेद अंडाकार या सफेद मोम के फूल से ढके पीले शरीर वाले छोटे निम्फ दिखाई दे सकते है। पत्ती की ऊपरी सतह पर संख्या 8–12 आर्थिक नुकसान स्तर तक पाए जाने पर रोकथाम के लिए नीम युक्त 5 मिली + तरल साबुन 1 मिली या फ्लॉनिकामिड 50% डब्ल्यू जी 0.30 ग्राम या स्पाइरोमेसिफेन 22.90% एस सी 1.20 मिली प्रति लीटर पानी की दर से मौसम साफ़ होने पर छिड़काव करें। थ्रिप्स के प्रकोप के लिए फसल की लगातार निगरानी रखें। थ्रिप्स की रोकथाम के लिए थायोमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी 50 ग्राम या

		स्पाईनेटोरान 11.7 एस सी 100 मिली मात्रा प्रति 100 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
कपास	गुलाबी सुंडी	किसान भाई गुलाबी सुंडी की उपस्थिति और नुकसान का निरीक्षण लगातार करते रहे। अगर आर्थिक नुकसान स्तर 10% तक क्षतिग्रस्त टिंडे (सफेद या गुलाबी लार्वा वाले 20 में से कम से कम दो टिंडे) दिखाई देने पर एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 5 ग्राम या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी 5 मिली या प्रोफेनोफोस 50 ईसी 30 मिली प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
धान	रोपाई	धान की रोपाई के बाद 15 दिनों तक खेत में 4–5 सेमी पानी खड़ा रखें। इसके लिए समय–समय पर सिंचाई करते रहे। नील हरित शैवाल का एक पैकेट प्रति एकड़ प्रयोग उन्ही खेतो में करे जहां पानी खड़ा रहता हो, ताकि मृदा में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाई जा सके।
ग्वार	बिजाई	ग्वार की बिजाई जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक पूरी करें। बीजदर 4–5 किलो तथा कतार से कतार की दुरी 30 सेमी रखे। नहरी सिंचित क्षेत्र के लिये ग्वार में कतार से कतार की दुरी 45 सेमी तथा बीजदर 3 किलो प्रति बीघा की दर से उपयोग करें। एजोटोबेक्टर एवं पी.एस.बी. कल्चर पाउडर के तीन पैकेट से एक हेक्टेयर बीज को बुवाई से एक घंटे पूर्व उपचारित कर बोने से नत्रजन एवं फॉस्फोरस उर्वरको की बचत की जा सकती है। ग्वार के लिए 10–11 किलो यूरिया तथा 50–62.5 किलो सुपर फॉस्फेट प्रति बीघा की दर से ड्रिल करें।
मूंग	बिजाई	मूंग की बिजाई के लिए सिफारिश किस्मे– एम एच–421, आईपीएम 02–3, सत्या (एम एच 2–15), एस एम एल–668, के 851, एम यू एम 2, गंगोत्री (गंगा–8) का प्रयोग कर सकते है। बीजदर 4 से 5 किलो प्रति बीघा प्रयोग करे। एस एम एल–668 के लिए 5 से 6 किलो बीजदर प्रयोग करे। कतार से कतार की दुरी 30 सेमी रखे। मूंग की फसल में रसायनों द्वारा खरपतवार नियंत्रण के लिए ट्राई फ्लूरालीन (48 प्रतिशत ईसी) नामक खरपतवार नाशी 400 मिली दवा को 150 लीटर पानी में घोलकर प्रति बीघा में बुवाई से पूर्व अंतिम जुताई के समय मिट्टी में छिड़ककर मिलाएं।
बाजरा	बिजाई	बाजरा की बिजाई के लिए उपयुक्त समय है। बाजरा बिजाई के लिए सिफारिश की गई किस्में– एच एच बी–67, राज–171(एम पी–171), आई सी एम एच– 356, एमएच–169, आर एच बी–121, सी जेड पी– 9802, जी एच बी–538, एच एच बी–67–2, जी एच बी–719, आई सी टी पी–8203, एच एच बी–60, आर एच बी–90, पूसा–605 का उपयोग करें। सामान्यतया 4 किलो बाजरे का प्रमाणित बीज प्रति हेक्टेयर बोये एवं कतार से कतार की दूरी 45 से 60 सेंटीमीटर रखते हुए पौधो की संख्या 1.33 लाख प्रति हेक्टेयर रखें।
अरण्डी	बिजाई	अरण्डी की बुवाई जुलाई के प्रथम पखवाड़े तक करें। सिफारिश किस्मों– गोच–1, जी.ओ.सी.एच. 4, आर.सी.एच. 1, एम.आर.सी.ए. 409 का उपयोग करें। बीजदर 3–4 किलो प्रति बीघा रखे। सिंचित क्षेत्रों में कतार से कतार 90–120 सेमी तथा पौधों के बीच 90 सेमी तथा असिंचित क्षेत्रों में 60 x 45 सेमी की दुरी रखे। बुवाई के समय 11 यूरिया तथा 50 किलों सिंगल सुपर फॉस्फेट प्रति बीघा दें।
किन्नू		बागों में लीफ माइनर, सिट्रससिल्ला एवं रेड स्पाइडर माइट, तंबाकू का लट आदि के रोकथाम के लिए ट्राईजोफॉस 40 ईसी. 2.5 मिली. या क्विनालफॉस 25 ईसी. 1.50 मिली. या थायोमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी. 0.50 मिली. या एसिटामाप्रिड 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। नये बाग लगाने के लिए पहले से तैयार गड्ढों में पौधे लगाने का उपयुक्त समय है।
पशुपालन		मानसून की बारिश होते ही पशुओं में गलाघोंटू रोग होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके साथ ही लंगड़ा बुखार होने की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में पशुपालक और किसानों को सलाह दी गई है कि इस स्थिति में पशुचिकित्सालय या चिकित्सक से संपर्क कर लें, साथ ही पशूओं में टीकाकरण करवा लें। पशुओं में जूं, चिचड़ से बचाव के लिए 2% साइपरमेथ्रिन पशु पर और 4% पशुशाला में छिड़काव करें। छिड़काव के समय पशु के आँख, मुँह का ध्यान रखे।
मुर्गी पालन		मुर्गियों में रानी खेत रोग होने का खतरा रहता है। इसके लिए पहला टीका एफ–1 सात दिनों के अंदर लगवा लें और दूसरा आर–2–बी का टीका 8 सप्ताह की उम्र में लगवाएं। नवंबर माह में अंडे प्राप्त करने के लिए मुर्गियों के चूजे पालने के लिए यह उपयुक्त समय है। अतः मुर्गीशाला की सफाई करके चूजे पालना शुरू करें वह सही ब्रूडिंग करें।

किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे मौसम की दैनिक अपडेट के लिए अपने मोबाइल में मेघदूत और आकाशीय बिजली के अलर्ट हेतु दामिनी एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

स्रोत :– मौसम पूर्वानुमान – क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर

तकनीकी अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

डॉ. अनुप कुमार
नोडल अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

Save Water, Save Environment, Save Earth